बरसाना याद आये रे बरसाना याद आये

किशोरी जी तुम्हारा मुश्काना याद आये,
जब बरसाना याद आये रे बरसाना याद आये,
रह रह के किरपा बरसाना याद आये.....

मेरे ख्यालो में मंदिर तुम्हारा है,
सोने का श्रृंगासन और श्रृंगार प्यारा है,
आखियो से जो बरस रही प्रेम की वो धारा है,
प्रेम की उस धारा में नहाना याद आये,
बरसाना याद आये रे बरसाना याद आये

आप की नजर श्यामा जिधर जिधर जाती है,
रस की बोशारे भी उधर बस जाती है,
है करुणा सिहहो की आंखे भर आती है,
बिन मांगे सब कुछ लुटा नया दिलाये,
बरसाना याद आये रे बरसाना याद आये

जय हो बरसाना मेरो बरसाना.....

स्वर : पूनम यादव

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6906/title/barsana-yaad-aaye-re-barsana-yaad-aaye-kishori-ji-tumhari-mushkana-yaad-aaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |